पद १०

(राग: सोहनी - ताल: त्रिताल)

झालों आम्ही बहु धन्यरे। भेटलें सगुण हें ब्रह्म रे।।ध्रु.।। नको उदास स्थिति ती मुक्ती। ही माया आम्हां प्रिय भक्ती॥१॥ महावाक्य नको हैं आम्हां। घेऊं तुझ्या सुमंगल नामा।।२।। नको वियोग तूझा देवा। जन्मजन्मीं घे तुझी सेवा।।३।। तू जीवन या ब्रह्मांडा। तूं प्रकाश चिन्मांडा।।४॥